



Ms Amita

30 Sep 1995

09:30 AM

Chakrata

Model: web-freekundliweb

Order No: 121558802

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 30/09/1995
दिन _____: शनिवार
जन्म समय _____: 09:30:00 घंटे
इष्ट _____: 08:17:31 घटी
स्थान _____: Chakrata
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:43:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:18:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 09:11:36 घंटे
वेलान्तर _____: 00:09:47 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:45:21 घंटे
सूर्योदय _____: 06:10:59 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:05:44 घंटे
दिनमान _____: 11:54:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 12:43:49 कन्या
लग्न के अंश _____: 24:22:24 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: ज्येष्ठा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: आयुष्मान
करण _____: तैतिल
गण _____: राक्षस
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: यी-यीशा
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

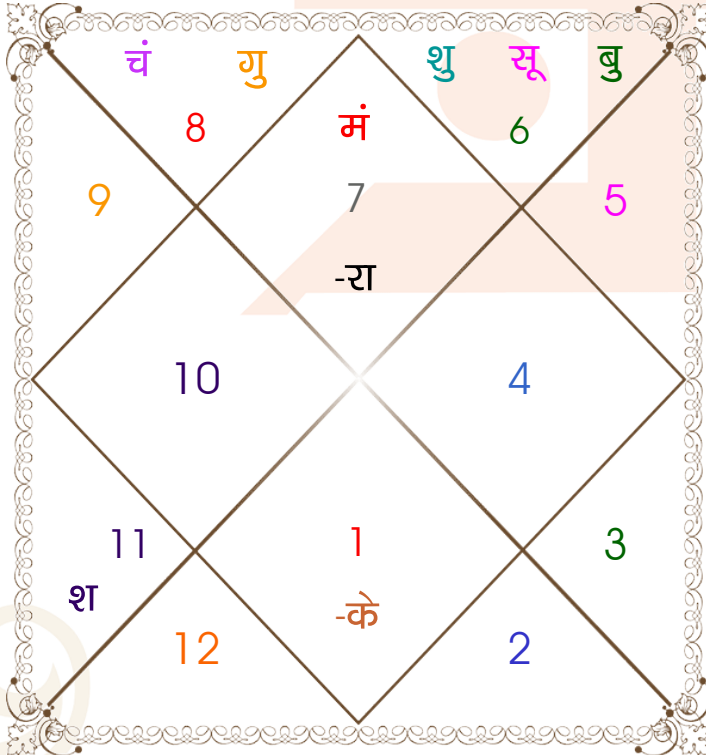
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:22:24	303:21:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	12:43:49	00:58:57	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	23:39:20	14:13:14	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	नीच राशि
मंगल			तुला	21:38:58	00:41:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	22:49:02	00:54:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
गुरु			वृश्चि	16:31:50	00:09:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	23:33:37	01:14:39	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	26:21:58	00:04:20	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	स्वराशि
राहु			तुला	02:49:01	00:01:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			मेष	02:49:01	00:01:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	02:44:35	00:00:19	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:58:53	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	04:46:10	00:01:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			सिंह	00:13:36	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

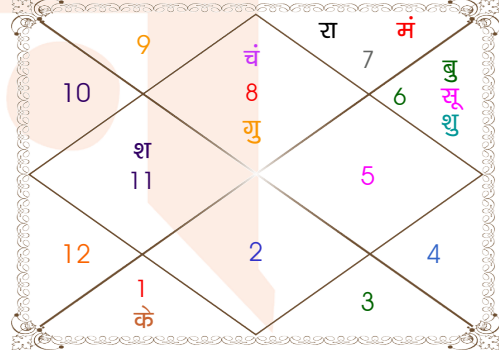
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:59

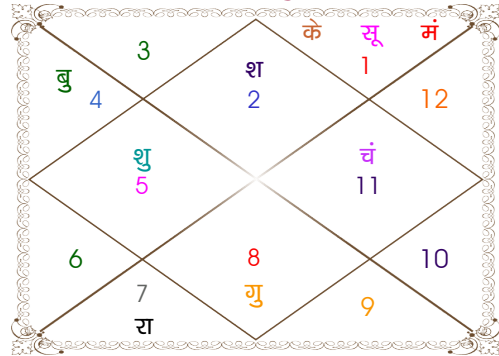
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 8 वर्ष 1 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
30/09/1995	01/11/2003	01/11/2010	01/11/2030	01/11/2036
01/11/2003	01/11/2010	01/11/2030	01/11/2036	01/11/2046
00/00/0000	केतु 30/03/2004	शुक्र 03/03/2014	सूर्य 19/02/2031	चंद्र 01/09/2037
00/00/0000	शुक्र 30/05/2005	सूर्य 03/03/2015	चंद्र 20/08/2031	मंगल 02/04/2038
00/00/0000	सूर्य 05/10/2005	चंद्र 01/11/2016	मंगल 26/12/2031	राहु 02/10/2039
00/00/0000	चंद्र 06/05/2006	मंगल 01/01/2018	राहु 19/11/2032	गुरु 31/01/2041
30/09/1995	मंगल 02/10/2006	राहु 01/01/2021	गुरु 07/09/2033	शनि 01/09/2042
मंगल 29/04/1996	राहु 20/10/2007	गुरु 02/09/2023	शनि 20/08/2034	बुध 01/02/2044
राहु 16/11/1998	गुरु 25/09/2008	शनि 01/11/2026	बुध 27/06/2035	केतु 01/09/2044
गुरु 21/02/2001	शनि 04/11/2009	बुध 01/09/2029	केतु 01/11/2035	शुक्र 03/05/2046
शनि 01/11/2003	बुध 01/11/2010	केतु 01/11/2030	शुक्र 01/11/2036	सूर्य 01/11/2046

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
01/11/2046	01/11/2053	01/11/2071	01/11/2087	02/11/2106
01/11/2053	01/11/2071	01/11/2087	02/11/2106	00/00/0000
मंगल 30/03/2047	राहु 14/07/2056	गुरु 20/12/2073	शनि 04/11/2090	बुध 31/03/2109
राहु 17/04/2048	गुरु 08/12/2058	शनि 02/07/2076	बुध 14/07/2093	केतु 28/03/2110
गुरु 24/03/2049	शनि 14/10/2061	बुध 08/10/2078	केतु 23/08/2094	शुक्र 26/01/2113
शनि 03/05/2050	बुध 02/05/2064	केतु 14/09/2079	शुक्र 23/10/2097	सूर्य 02/12/2113
बुध 30/04/2051	केतु 21/05/2065	शुक्र 15/05/2082	सूर्य 05/10/2098	चंद्र 04/05/2115
केतु 26/09/2051	शुक्र 20/05/2068	सूर्य 03/03/2083	चंद्र 06/05/2100	मंगल 01/10/2115
शुक्र 25/11/2052	सूर्य 14/04/2069	चंद्र 02/07/2084	मंगल 15/06/2101	00/00/0000
सूर्य 02/04/2053	चंद्र 14/10/2070	मंगल 08/06/2085	राहु 21/04/2104	00/00/0000
चंद्र 01/11/2053	मंगल 01/11/2071	राहु 01/11/2087	गुरु 02/11/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 8 वर्ष 1 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वाकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उपार्जन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृत्ति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

